नियोमोकॉकल कॉन्जुगेट का टीका

आपको इसके बारे में क्या जानना चाहिये

1 टीका क्यों लगवाना चाहिये?

स्ट्रेप्टोकॉकस निमोनिए के रोगाणुओं द्वारा संक्रमण होने से बहुत गंभीर बीमारी और मौत भी हो जाना मुमकिन है। शरीर के अंदर संक्रमण करने वाली नियोमोकॉकल बीमारी के कारण 5 साल से कम उम्र के बच्चों में हर वर्ष तकरीबन 200 मौत होती है। अमेरिका में बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस का प्रमुख कारण यही है। (मेनिन्जाइटिस एक ऐसा संक्रमण है जिससे दिमाग के आवरण पर असर पड़ता है।)

पांच साल से कम उम्र के बच्चों में न्यूमोकॉकल संक्रमण बहुत ही गंभीर बीमारियां उत्पन्न कर सकता है। टीका उपलब्ध कराए जाने से पहले हर साल न्यूमोकॉकल संक्रमण के कारण:

- मेनिन्जाइटिस के 700 से अधिक केस हुआ करता थे,
- रक्त संक्रमण के 13000 केस हुआ करता थे,
- कान में संक्रमण के करीब 50 लाख केस हुआ करते थे।

इससे दूसरे प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं जिसमें शामिल हैं:

- निमोनिया
- बहरापन
- दिमाग में क्षति

2 साल से कम उम्र के बच्चों को गंभीर बीमारी हो जाने का सबसे अधिक खतरा है।

न्यूमोकॉकस के रोगाणु निकट सम्बन्ध द्वारा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलते हैं।

न्यूमोकॉकल संक्रमण का इलाज करना कठिन हो सकता है क्योंकि इन रोगाणुओं पर पहले प्रयोग किए गए कुछ दवाओं का असर अब नहीं होता है। यही कारण है कि न्यूमोकॉकल संक्रमणों को **पहले ही रोक देने की कोशिश** इतनी ज़रूरी हो गई है।

न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट के टीका द्वारा कई प्रकार के गंभीर न्यूमोकॉकल संक्रमणों को रोका जा सकता है जैसे कि मेनिन्जाइटिस और रक्त में संक्रमण। इससे कान में संक्रमण भी रोका जा सकता है। लेकिन जान लें कि कान में संक्रमण के कई कारण हो सकते हैं और न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट का टीका इनमें से केवल कुछ ही पर प्रभावकारी होता है।

2 न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट का टीका

न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट का टीका शिशुओं और छोटे बच्चों के लिए प्राधिकृत किया गया है। शिशुओं को टीका लगाने से उन्हें उसी समय संरक्षण दिया जाता है जब उनको इस बीमारी से सबसे ज्यादा खतरा होता है।

बड़े बच्चों और वयस्कों को एक दूसरा टीका लगाया जा सकता है जिसका नाम है न्यूमोकॉकल पॉलीसैकराइड का टीका। जिन लोगों को यह टीका लग रहा है उनके लिए अलग से इसके बारे में एक जानकारी कथन उपलब्ध है।

3 टीका किसको लगना चाहिये और कब?

- **2 साल और इससे कम उम्र के बच्चों का**

  न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट का टीका इस इस उम्र पर 4 खुराकों में लगाया जाता है:

  ✓ **2 महीना** ✓ **6 महीना**
  ✓ **4 महीना** ✓ **12-15 महीना**

  जिन बच्चों को ठीक उम्र पर टीका नहीं लगाया गया उन्हें बाद में भी टीका लगाया जा सकता है। खुराकों की संख्या बच्चे की उम्र पर निर्भर होगी। विस्तृत जानकारी हेतु अपने डॉक्टर से राय करें।

- **2 से 5 साल के उम' के बच्चों को**

  न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट का टीका 2 से लेकर 5 साल के उन बच्चों को भी लगाया जाना चाहिये जिन्हें छुटपन में यह टीका नहीं लगाया गया था और जिन्हें गंभीर न्यूमोकॉकल बीमारियां होने का ज्यादा खतरा है। इन बच्चों में शामिल हैं:

  - वे बच्चे जिन्हें सिकल सेल की बीमारी है,
  - वे बच्चे जिनकी तिल्ली में खराबी है या जिन्हें तिल्ली है ही नहीं,
  - वे बच्चे जिन्हें HIV/एड्स है,
  - वे बच्चे जिन्हें डायबिटीज़, कैन्सर, कलेजे की बीमारी आदि है जिससे उनकी प्रतिरक्षण प्रणाली पर असर पड़ता है, या जो,
  - प्रतिरक्षण प्रणाली पर असर डालने वाली दवा लेते हैं जैसे कि कीमोथेरापी या स्टिराएड, या
  - जिन्हें स्थायी रूप से दिल या फेफड़ों की बीमारी है।

  5 साल से कम उम्र के उन सभी बच्चों को भी यह टीका लगाया जाना चाहिये जिन्हें गंभीर न्यूमोकॉकल बीमारियां होने का ज्यादा खतरा है। इन बच्चों में शामिल हैं:

  - वे बच्चे जो 3 साल से कम के हैं,
  - वे बच्चे जिनके पूर्वज अलास्का मूल निवासी या अमेरिका मूल निवासी या अफ़्रीकी अमेरिकन हैं, या
  - जो बच्चे दूसरे बच्चों के साथ डे केयर में समय बिताते हैं।

  खुराकों की संख्या बच्चे की उम्र पर निर्भर होगी। विस्तृत जानकारी हेतु अपने डॉक्टर से राय करें।

न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट का टीका अन्य टीकाओं के साथ भी लगाया जा सकता है।

4 कुछ बच्चों को न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट का टीका नहीं लगवाना चाहिये या रुक कर लगवाना चाहिये

अगर बच्चे को कभी पहले न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट का टीका लगाने से कोई गंभीर (जानलेवा) एलर्जिक प्रतिक्रिया हुई हो या टीका के किसी सामग्री से कोई तीव्र प्रतिक्रिया हुई हो तो उसे न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट का टीका नहीं लगाना चाहिये। अगर आपके बच्चे को किसी भी टीका से कोई गंभीर प्रतिक्रिया हुई हो या उसे कोई तेज़ एलर्जी हुई हो तो अपने डॉक्टर को इस बारे में ज़रूर बताएं।

जिस समय टीका लगाना निश्चित हुआ है अगर उसी समय बच्चे की तबियत थोड़ी बहुत खराब हो, यानि अगर उसे सर्दी हो, तो टीका लगाने में कोई हर्ज़ नहीं है। लेकिन अगर बच्चे की तबियत काफ़ी या बहुत खराब है तो ज़्यादातर ठीक होने के बाद ही टीका लगवाना चाहिये।

5 न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट टीका के क्या खतरे हो सकते हैं?

न्यूमोकॉकल कॉन्जुगेट के विषय पर कई अध्ययन किए गए हैं (करीब 60 हज़ार खुराकों का) जिससे मालूम हुआ है कि इस टीका से बहुत हल्की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न होती हैं:

- सुई लगाने के स्थान पर 4 शिशुओं में 1 को सूजन, छूने से हल्का दर्द, या त्वचा पर लाली हुआ।
- 3 में से 1 को 100.4 डिग्री फैरनहाईट से ज्यादा का बुखार हुआ और 50 में से 1 को इससे तेज़ बुखार हुआ (102.2 डिग्री फैरनहाईट)।
- कुछ बच्चे थोड़े चिड़चिड़े हो गए, ऊंघने लगे, या भूख कम हो गई।

अभी तक इस टीका के कारण कोई गंभीर प्रतिक्रिया नहीं दिखाई दी है। फिर भी किसी भी दवा की तरह टीका लगवाने से भी गंभीर दिक्कतें पैदा हो सकती है जैसे कि बहुत तीव्र एलर्जिक प्रतिक्रियाएं। लेकिन इसे टीका से कोई बहुत भारी दिक्कत या मौत होने की बहुत ही कम संभावना होती है।

6 कोई मध्यवर्गीय या बहुत तीव्र प्रतिक्रिया होने पर क्या करना चाहिये?

मुझे किन लक्षणों के प्रति सचेत रहना चाहिये?

कोई भी असामान्य दशा जैसे कि तीव्र एलर्जिक प्रतिक्रिया, तेज़ बुखार या व्यवहार में कोई परिवर्तन।

किसी टीका के परिणामस्वरूप कोई तीव्र एलर्जिक प्रतिक्रिया होने की बहुत ही कम संभावना है। अगर ऐसा हुआ तो यह सुई लगने के कुछ मिनट या कुछ घंटों के बाद ही होता है। इसके कुछ लक्षण हैं:

- सांस लेने में कठिनाई
- थकान
- पित्ती
- गला बैठ जाना या सांस लेने में घरघराहट
- दिल की धड़कन बढ़ने लगना
- फीका पड़ जाना
- कंठ में सूजन
- चक्कर

ऐसे में मुझे क्या करना चाहिये?

- डॉक्टर बुलाएं या उस व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।
- अपने डॉक्टर को बताएं कि क्या हुआ, किस वक्त और किस दिन ऐसा हुआ, और टीका कब लगाया गया।
- अपने डॉक्टर या नर्स या स्वास्थ्य विभाग को कहें कि वे वैक्सीन ऍडवर्स इवेन्ट रिपोर्टिन्ग सिस्टम यानि VAERS का फार्म भरकर इसे दर्ज़ करें या आप खुद ही **1-800-822-7967** पर VAERS को फोन लगाकर या उनके वेबसाइट **http://www.vaers.org** पर जाकर इस बारे में बताएं।

7 प्रतिरक्षा सम्बन्धी चोट की क्षतिपूर्ति वाला राष्ट्रीय कायक्रम (The National Vaccine Injury Compensation Program)

अगर ऐसा हो ही गया कि आपको या आपके बच्चे को किसी टीका के परिणामस्वरूप कोई गंभीर प्रतिक्रिया हो गई तो इसके लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम स्थापित किया गया है जिसके अंतर्गत चोट लगे व्यक्ति की देख भाल के पैसे देने में मदद दी जाती है।

प्रतिरक्षा सम्बन्धी चोट की क्षतिपूर्ति वाला राष्ट्रीय कार्यक्रम के बारे में और जानकारी पाने के लिए **1-800-338-2382** पर फोन लगाकर या उनके वेबसाइट http://www.hrsa.gov/osp/vicp/ पर जाकर देखें।

8 मैं इस बारे में और जानकारी कैसे पा सकता हूं?

- अपने डॉक्टर या नर्स से पूछें। वे आपको टीका के पैकेट में दी गई लिखित जानकारी दे सकते हैं या बता सकते हैं कि अतिरिक्त जानकारी के स्रोत क्या हैं।
- अपने स्थानीय या राजकीय स्वास्थ्य विभाग के प्रतिरक्षण कार्यक्रम से सम्पर्क करें। 1-888-767-4687
- द सेन्टर फॉर डिज़ीज़ कंट्रोल ऍण्ड प्रिवेन्शन (CDC यानि रोग नियंत्रण व निरोध केन्द्र) से सम्पर्क करें:
  - **Call 1-800-232-4636 (1-800-CDC-INFO)**
  - **http://www.cdc.gov/nip** यानि राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के वेबसाइट पर जाएं।

DCH-0955HI AUTH: P.H.S., Act 42, Sect. 2126.

U.S. DEPARTMENT OF HEALTH & HUMAN SERVICES
Centers for Disease Control and Prevention
National Immunization Program

Vaccine Information Statement
Pneumococcal Conjugate Vaccine - Hindi (9/30/02)
Translated by Transcend Translations, Davis, CA 42 U.S.C. § 300aa-26
http://www.transcend.net

ताकि स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को टीका लगने की स्थिति, टीका के आकलन, तथा भविष्य में अनुशंसित टीकाओं की समय-सारिणी के बारे में सही जानकारी मिल सके, Michigan Care Improvement Registry (मिशिगन सेवा सुधार रजिस्टरी) के पास उचित जानकारियाँ भेजी जाएंगी। प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से यह निवेदन करने का अधिकार है कि उनकी टीका संबंधी जानकारी रजिस्टरी में न भेजी जाए।